>

Title: Need to augment irrigation facilities in Eastern Uttar Pradesh.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में नदियों का पानी तथा बड़े पैमाने पर नहरों का जाल एवं बड़े लिफ्ट कैनाल से लेकर छेंटे लिफ्ट कैनालों की पर्याप्त मात्रा में सिंचाई के संसाधन मौजूद होने के बावजूद भी यहां के किसानों को सूखा जैसी आपदा से प्रतिवर्ष प्रभावित होना पड़ता है, क्योंकि पूर्वांचल में जितने भी सिंचाई के साधन मौजूद हैं तथा नदियों में जो जल है उसका सही ढंग से तथा सुचारू रूप से उपयोग नहीं हो पैंता है। नहर जर्जर और क्षतिग्रस्त है और छेंटे तथा बड़े लिफ्ट कैनाल एवं राजकीय नलकूप यांत्रिक और विद्युत की कमी के कारण पूरी क्ष्ामता से उपयोग में नहीं लाये जा रहे हैं। जनपद चन्दौली में नारायणपुर और भुपौली बड़ा लिफ्ट कैनाल हे, इनसे निकलने वाली मुख्य नहर के पक्का नहीं होने से चन्दौली क्षेत्र के किसानों जैसे नख्वन पूर्वी क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पैंता है। कर्मनाशा एवं गंगा नदी पर तथा गोमती नदी पर पर्याप्त पानी लेने के बावजूद भी स्वतंत्र विद्युत उप-केन्द्र नहीं होने से उन लिफ्ट कैनालों से किसानों को सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध नहीं हो पैंता है। यही हालात चकिया नौगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर के जलाशयों की है, जिसमें पानी नदी में बह जाता है और किसानों को नहरों से पानी नहीं उपलब्ध हो पैंता है, बांधों को जोड़ने के लिए बाणसागर परियोजना अभी तक अधूरी पड़ी हुई है। 550 कि.मी. दूर से आने वाली शारदा की सहायक नहरों से वाराणसी में विगत कई वर्षों से नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे लाखों हेक्टेयर फसल प्रतिवर्ष सिंचाई के अभाव में सूख जाती है और किसानों के ऊपर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। अतः मेरी भारत सरकार से मांग है कि कैनालों की क्ष्ामता वृद्धि तथा नहरों का पक्कीकरण, सुदृढ़ीकरण करने हेतु एक बृहद कार्य योजना बनाकर केन्द्रीय सहायता राशि उपलब्ध कराई जाये।